YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार, 17 फरवरी 2021 www.delhi.nbt.in

नर्सरी एडमिशन : सिर्फ 'डिस्टेंस' से नहीं चलेगा काम

Katyayani.Upreti@timesgroup.com

नर्सरी एडमिशन की रेस 18 फरवरी से शुरू हो रही है। कई स्कूलों ने एडमिशन का क्राइटेरिया भी तय कर दिया है। दिल्ली के करीब 1700 प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी के लिए गुरुवार से ऑनलाइन फॉर्म भरे जाएंगे। इसके लिए 17 फरवरी तक सभी स्कूलों को अपना 100 पॉइंट फॉर्मूला और एडमिशन क्राइटेरिया वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। नर्सरी की रेस में डिस्टेंस यानी दूरी का फंडा सबसे ऊपर दिख रहा है, मगर एडमिशन में सिर्फ इससे काम नहीं चलेगा।

कल से भरें फॉर्म

प्राइवेट स्कूलों में 18 फरवरी से 4 मार्च तक फॉर्म भरे जाएंगे। स्कूल 100 पॉइंट सिस्टम के हिसाब से स्टूडेंट्स को मार्क्स देंगे और इसी के तहत एडमिशन लिस्ट तैयार होगी। 100 पॉइंट सिस्टम में ज्यादातर स्कूल नेबरहुड/डिस्टेंस, सिबलिंग, अल्मनाई, सिंगल चाइल्ड, गर्ल चाइल्ड, फर्स्ट बॉर्न चाइल्ड कैटेगरी में अपने पॉइंट्स बांटते हैं। शिक्षा निदेशालय ने 62 कैटिगरी की लिस्ट भी ऑनलाइन (edudel.nic.in) दी है, जो एडमिशन के लिए बैन है।

प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी के लिए कल से फॉर्म भरने की प्रक्रियां शुरू होगी

सिबलिंग और अल्मनाई का है बहुत बड़ा रोल

2021-22 के लिए कई स्कूलों के एडमिशन क्राइटेरिया तैयार हैं। सीट पक्की करने के लिए डिस्टेंस के साथ सिबलिंग (अगर भाई-बहन उसी स्कूल में पढ़ते हैं), अल्मनाई (अगर किसी पैरंट ने उसी स्कूल से पढ़ा हो), सिंगल चाइल्ड, गर्ल चाइल्ड जैसे पॉइंट काफी अहम हैं। सिर्फ स्कूल के पड़ोस में घर होना सीट पक्की करने का पैमाना नहीं है। डिस्टेंस के साथ सिबलिंग या अल्मनाई और किसी कैटिगरी के पॉइंट नहीं हों तो बड़े स्कूलों में जिनकी डिमांड काफी ज्यादा है, वहां एडमिशन मुश्किल हो जाता है। ज्यादातर नामी स्कूल सिबलिंग और अल्मनाई के लिए अलग-अलग 15 से 20 पॉइंट रखते हैं। गर्ल चाइल्ड के लिए भी 5 से 20 पॉइंट देते हैं।

स्कूल तय करने लगे 100 पॉइंट फॉर्मूला

लगभग सभी स्कूल नेबरहुड को सबसे ज्यादा पॉइंट दे रहे हैं ताकि पड़ोस के बच्चों को एडमिशन में प्राथमिकता मिले। खासतौर पर सरकारी जमीन पर बने करीब 400 स्कूलों में इसे 40 से 80 पॉइंट दिए जाते हैं। इस बार भी यही नजर आ रहा है। साउथ दिल्ली के इंडियन स्कूल ने डिस्टेंस के 60 पॉइंट दिए हैं यानी जो बच्चा स्कूल के जितने नजदीक होगा उसके एडमिशन के चांस उतने ज्यादा मजबूत होंगे। स्कूल ने 20 पॉइंट सिबलिंग और 20 पॉइंट फर्स्ट बॉर्न चाइल्ड के लिए दिए हैं। मदर इंटरनैशनल स्कूल नेबरहुड के लिए 40 पॉइंट, सिबलिंग 30, अल्मनाई 20, गर्ल चाइल्ड के 10 पॉइंट दे यहा है। वहीं, डीपीएस मथुरा रोड भी डिस्टेंस को सबसे ज्यादा तवज्जो देगा। स्कूल की प्रिंसिपल दीक्षा खेड़ा बताती हैं, हमारा एडमिशन क्राइटेरिया हर बार की तरह ही है, डिस्टेंस के लिए 70 पॉइंट, सिबलिंग के लिए 15 और अल्मनाई के लिए 15 पॉइंट दिए जाएंगे। वहीं, पीतमपुरा के एमएम पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रूमा पाठक बताती हैं, हमने डिस्टेंस के लिए 50 पॉइंट रखे हैं। गर्ल चाइल्ड है तो उसे 20 पॉइंट मिलेंगे। सिबलिंग, फर्स्ट बॉर्न चाइल्ड और अल्मनाई के लिए हमने 10-10 पॉइंट रखे हैं।

डिस्टेंस का भी है अलग-अलग पैमाना

स्कूलों में डिस्टेंस के सबसे ज्यादा पॉइंट रहेंगे, मगर इसका भी स्कूलों का अलग-अलग पैमाना है। कई स्कूल पॉइंट सिस्टम में 0 से 12 किलोमीटर तक के एरिया को कवर करते हैं, ऐसे में ज्यादातर स्कूलों में डिस्टेंस के फुल पॉइंट हासिल करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या नर्सरी की कुल सीटों की संख्या से काफी ऊपर होगी। कई स्कूल ट्रांसपोर्ट के रूट से डिस्टेंस तय करते हैं। एडमिशन पक्के होने के चांस तभी हैं, जब स्टूडेंट के पास कोई और कैटिगरी के पॉइंट भी हों।